

तनोट मंदिर ने ऑनलाइन पास प्रणाली शुरू की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में घरेलू पर्यटकों को जैसलमेर ज़िले में भारत-पाकस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थिति तनोट-बाबलीयान पर्यटन सर्कटि का भ्रमण कराने के लिये ऑनलाइन पास प्रणाली शुरू की गई है।

मुख्य बंदि

- वेबसाइट का वकिस तनोट माता टूरस्ट द्वारा कयिा गया है तथा इसका प्रबंधन सीमा सुरक्षा बल (BSF) द्वारा कयिा जाता है।
- यह आगंतुकों को सीमा सुरक्षा गतविधियों को देखते हुए गर्व और देशभक्तकी भावना महसूस करने की अनुमती देता है
- इच्छुक पर्यटकों को वसितृत जानकारी और पहचान के साथ एक ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा।
- केंद्र सरकार ने मंदिर परसिर में तनोट पर्यटन परयोजना के लयिे 17.67 करोड रुपए मंजूर कयिे हैं।

तनोट माता मंदिर

- श्री तनोट माता मंदिर राजस्थान के जैसलमेर ज़िले में स्थिति एक प्राचीन हद्वि मंदिर है
- यह हद्वि देवी हगिलाज माता के स्वरूप तनोट राय को समर्पति है।

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- BSF की स्थापना वर्ष 1965 में भारत-पाकस्तान युद्ध के बाद की गई थी।
- यह गृह मंत्रालय (MHA) के प्रशासनकि नियंत्रण के अंतर्गत भारत संघ के सात केंद्रीय सशस्त्र पुलसि बलों में से एक है।
 - अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलसि बल हैं: असम राइफलस (AR), भारत-तबिबत सीमा पुलसि (ITBP), केंद्रीय औद्योगकि सुरक्षा बल (CISF), केंद्रीय रजिर्व पुलसि बल (CRPF), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) और सशस्त्र सीमा बल (SSB)।
- 2.65 लाख जवानों वाला यह बल पाकस्तान और बांग्लादेश सीमा पर तैनात है।
 - इसे भारतीय सेना के साथ भारत-पाकस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा, भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (LoC) पर तथा नक्सल वसिधी अभयानों में तैनात कयिा गया है।
- BSF अपने अत्याधुनकि जलयान बेडे के साथ अरब सागर में सरक्रीक और बंगाल की खाडी में सुंदरवन डेल्टा की रक्षा कर रहा है।
- यह हर वर्ष अपनी प्रशक्ति जनशक्ति का एक बड़ा दल भेजकर संयुक्त राष्ट्र शांति भसिन में समर्पति सेवाएँ प्रदान करता है।